अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2021) दिनांक : 26-08-2021

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) जीव पारिणामिक के दस भेद कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) आठ कर्मों का उपशम व क्षयोपशम निष्पन्न किस-किस गुणस्थान तक?

(ग) चौदह गुणस्थानों में आश्रव और संवर के बोल कितने पाते हैं?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 9

(क) उदय के तैंतीस बोलों में कौन-कौन आत्मा?

(ख) आठ कर्मों का बंध उदय सत्ता किस-किस गुणस्थान तक?

(ग) जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(घ) आठ आत्मा कितने भाव? कितनी आत्मा?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) आठ आत्मा में सावद्य कितनी? निरवद्य कितनी?

(ख) पांच महाव्रत, पांच समिति, तीन गुप्ति कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) आश्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

(घ) सम्यक्त्व मिथ्यात्व कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

इक्कीस द्वार–20

प्र. 4 कोई चार बोल पूरा लिखें– 20

(क) मनयोगी।

(ख) तिर्यंच स्त्री।

(ग) नपुंसक वेदी।

(घ) सास्वादन सम्यक्त्वी।

(ङ) परिहार विशुद्धि संयति।

(च) अचरम।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें (कितने व कौन-कौन से पाते हैं?)– 5

(क) तिर्यंच–गुणस्थान, लेश्या।

(ख) अनिन्द्रिय–योग, आत्मा।

(ग) अवेदी–उपयोग, भवी, अभवी।

(घ) तेजोलेश्यी–जीव के भेद, दण्डक

(ङ) औपशमिक सम्यक्त्वी–भाव, दृष्टि।

(च) चक्षु दर्शनी–गुणस्थान, योग।

(छ) अभाषक–उपभोग, वीर्य

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें– 5

(क) प्रमेय किसे कहते हैं?

(ख) विचिकित्सा का अर्थ लिखें।

(ग) अनुयोग के नाम लिखें।

(घ) कांक्षा से क्या तात्पर्य है?

(ङ) आगम किसे कहते हैं?

(च) पंचेन्द्रिय जीव संज्ञी या असंज्ञी?

(छ) पौषध प्रतिमा लिखें।

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) व्रताव्रत द्वार–चारित्र के अधिकारी निर्ग्रंथ होते हैं, से आरम्भ करते हुए पद्य का अन्त 'जावे गटको रे' तक लिखें।

(ख) टिड्डी, पतंग, मच्छर, बिच्छू आदि की पृच्छा लिखें।

(ग) गुणस्थान द्वार लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) दान की परिभाषा लिखते हुए संयति दान व अभय दान का दोहा लिखें।

(ख) श्रावक गुण द्वार लिखें।

(ग) उपासक प्रतिमा द्वार में अन्तिम तीन प्रतिमा लिखें।

(घ) सम्यक्थ्व के भूषण अर्थ सहित लिखें।

(ङ) वनस्पति में प्राण, योग व उपयोग बताएं।

(च) नय की परिभाषा बनाते हुए निश्चय नय व व्यवहार नय को व्याख्यायित करें।

(छ) 'चोर हिंसक.....धर्म-रेश' दोहा लिखें।

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखें– 12

प्रत्येक खंड से दो प्रश्नों को हल करें–

पच्चीस बोल–

(क) आठवां दण्डक।

(ख) दसवां उपयोग।

(ग) आकाशास्तिकाय का क्षेत्र?

चतुर्भंगी–

(घ) लेश्या जीव या अजीव?

(ङ) आश्रव किस कर्म का उदय?

(च) कौन सा द्रव्य कम, कौन सा द्रव्य अधिक?

पच्चीस बोल की चर्चा–किसमें व कौन-कौन से?

(छ) नौ योग।

(ज) तीन द्रव्य।

(झ) सतरह दण्डक।

तत्त्व चर्चा–

(ञ) पुण्य हेय या उपादेय?

(ट) अधर्म और अधर्मी एक या दो?

(ठ) अजीव रूपी या अरूपी?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) कर्म प्रकृति–दर्शन मोह की प्रकृतियों का कार्य एवं स्थिति लिखें। ***'अथवा'***
निधति व निकाचना की व्याख्या करें।

(ख) जैन तत्त्व प्रवेश–द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव, गुण द्वार में से आश्रव, संवर, निर्जरा को लिखें। ***'अथवा'***
दृष्टान्त द्वार आश्रव की व्याख्या करें।